आषाढ़-श्रावन 1931 जुलाई 2010 खण्ड 22 अंक 7

डीआरडीओ समाचार

डी आर डी ओ की मासिक गृह पत्रिका

मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन की प्रसारण प्रणाली हेतु स्वदेशी डाटा लोगर

संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (सी वी आर डी ई), चेन्नई द्वारा मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन की प्रसारण प्रणाली हेतु स्वदेशी डाटा लोगर का विकास किया गया है। डाटा लोगर में उपलब्ध आंकड़ों से प्रसारण प्रणाली की स्थिति का आंकलन किया जाता है तथा चालक को प्रसारण प्रणाली के उपयोग की जानकारी दी जाती है। यह प्रणाली वास्तविक समय अंतःस्थापित

इस अंक में

- मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन की प्रसारण प्रणाली हेतु स्वदेशी डाटा लोगर
- मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन तथा टी 90 टैंक के तुलनात्मक परीक्षण
- पी टी ए के डी 2 आर 5 का प्रक्षेपण
- नई परीक्षण सुविधा
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2010
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस
- महिला दिवस समारोह
- पुरस्कार
- एन एस टी एल, विशाखापत्तनम को आई एस 9001:2008 प्रमाण
- आई एन एस सागरध्वनि से डेबेल, बैंगलूरू तक शिप-टू-शोर टेलीमेडीसिन का परीक्षण
- डॉ टी एस वसुंधरा स्मृति व्याख्यान
- पेटेंट
- मानव संसाधन विकास गतिविधियां
  - पाठ्यक्रम/सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी
- एन पी ओ एल, कोच्चि की तकनीकी प्रदर्शनी ब्रहम 2010 में भागीदारी
- एन पी ओ एल, कोच्चि की रक्षा प्रदर्शनी 2010 में भागीदारी
- कार्मिक समाचार
  - प्रोन्नति
- खेल समाचार
- डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं में पधारे अतिथिगण

मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन की प्रसारण प्रणाली हेतु स्वदेशी डाटा लोगर।

नियंत्रक (रियल टाइम एम्बेडेड कंट्रोलर), उच्च क्षमता तथा बदलाव हेतु रीकंफीग्रेबल इनपुट/आउटपुट प्रौद्योगिकी, डाटा स्टोरेज हेतु फ्लैश मेमोरी, तथा अधिक डाटा स्टोरेज हेतु यू एस बी पोर्ट से सुसज्जित है। डाटा लोगिंग, कम्यूनिकेशन इंटरफेस, डाटा डाउनलोड, तथा डाटा डिस्प्ले हेतु सॉफ्टवेयर कोड का विकास, लैब व्यू का उपयोग कर किया गया है।

विशेषता

1. ट्रांसमिशन सिस्टम पैरामीटर्स डाटा को ऑनलाइन प्रदर्शित तथा मॉनीटर किया जाता है। साथ ही डाटा को नियंत्रक की फ्लैश मैमोरी में लॉग किया जाता है।
2. ऑफलाइन मोड में डाटा लोगर एक ही विंडो में दोनों मोड को प्रदर्शित करने में सक्षम है। टैंक डैशबोर्ड मोड, जहां आंकड़े इकट्ठे किए जाते हैं, को फिर से चलाया जा सकता है। चार्ट मोड में एकत्रित आंकड़ों को वेब फोर्म रूपी चित्रों में प्रदर्शित किया जाता है। उपयोगकर्ता के पास पैरामीटर्स को चुनकर प्रदर्शित करने का विकल्प होता है। इससे प्रसारण प्रणाली के गहन आंकलन में मदद मिलती है।
3. डाटा लोगर 400 घंटों तक कार्य करने तथा आंकड़े स्टोर करने में सक्षम है।

डाटा लोगर को उत्पादन श्रृंखला मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन के साथ समेकित किया गया है तथा डाटा लोगिंग को सफलतापूर्वक पूर्ण भी किया गया है।

मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन तथा टी 90 टैंक के तुलनात्मक परीक्षण

भारतीय सेना सामरिक उपयोग की दृष्टि से 15 फरवरी से 12 मार्च 2010 के दौरान मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन तथा टी 90 टैंक के तुलनात्मक परीक्षण किए गए। मूल्यांकन हेतु गोलाबारी की क्षमता (फायरपावर), गतिशीलता (मोबिलिटी), रखरखाव (मेनटेनबिलिटी), तथा मीडियम फोर्डिंग पैमाने थे। परीक्षणों को चार चरणों में किया गया:

मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन तथा टी 90 टैंक के तुलनात्मक परीक्षण।

प्रथम चरण : इसे 180 आर्म्ड ब्रिगेड, बीकानेर में किया गया। टैंकों की सह प्रणालियों को एक्सलेशन, टर्निंग रेडियस, प्रहारक परफोरमेंस, क्षमदक्षता शास्त्र (इरगोनोमिक्स), स्टेटिक फ्यूल कंसम्पशन, सर्विसिबिलिटी, तथा मीन टाइम टू रिपेयर पैमानों पर जांचा गया।

द्वितीय चरण : इसे हिसार, हरियाणा में किया गया। इससे मीडियम फोर्डिंग क्षमता को जांचा गया।

तृतीय चरण : इसे महाजन रेंज, राजस्थान में किया गया। इसमें पुल पार (ब्रिज क्रोसिंग), रात्रि चालन, क्षेत्र पार (क्रॉस कंट्री) एवं सख्त धरातल पर उच्चतम गति, टिल्ट ड्राइविंग, प्राइमरी तथा सैंकेंडरी एम्यूनिशन फायरिंग, थर्मल इमेजर प्रयोग कर रात में फायरिंग, तथा वायु प्रतिरक्षा गन को जांचा गया। इस चरण में लगभग 100 राउंड फायर किए गए तथा 150 किमी का सफर सभी एम बी टी अर्जुन टैंकों ने पूरा किया।

चतुर्थ चरण : इसे रणजीतपुरा, राजस्थान में किया गया। रेगिस्तान में बाह्यता तथा रणनीतिक क्रूसिंग रेंज का मूल्यांकन किया गया। इसके लिए तीन टैंकों को अतिरिक्त 150 किमी चलाया गया।

मुख्य युद्धक टैंक अर्जुन ने अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन सफलतापूर्वक किया।

पी टी ए के डी 2 आर 5 का सफल प्रक्षेपण

निशांत प्रक्षेपक का उपयोग कर पी टी ए के डी 2 आर 5 का प्रक्षेपण।

अनुसंधान तथा विकास स्थापना (इंजीनियर्स) (आर एंड डी ई (इंजी)), पुणे द्वारा 25 फरवरी 2010 तथा 17 मार्च 2010 को सेना वायु प्रतिरक्षा महाविद्यालय, गोपालपुर, ओडिसा में आयातित पायलेट-रहित लक्ष्य वायुयान पी टी ए के डी 2 आर 5 का सफल प्रक्षेपण सुवाह्य हाइड्रोन्यूमेटिक प्रक्षेपक (एम एच पी एल) का प्रयोग कर किया गया।

नई परीक्षण सुविधा

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि का उत्पादन विनिर्माण प्रभाग दो नई सी एन सी मशीनों, (1) सी एन सी वायर कट ई डी एम मशीन, इलैक्ट्रोनिक मेक मॉडल अल्ट्राकट एस आई तथा (2) फोर एक्सिस सी एन सी वर्टीकल मशीनिंग सेंटर, बी एफ डब्ल्यू मेक मॉडल अग्नि बी एम 45 टी सी 24 से सुसज्जित है।

श्री एस अनंत नारायण, निदेशक, एन पी ओ एल सी एन सी सुविधा का उद्घाटन करते हुए।

सी एन सी वायर कट ई डी एम मशीन, इलैक्ट्रोनिक मेक मॉडल अल्ट्राकट एस आई में विशेषता है कि वह एक निर्धारित रास्ते से जाते हुए धीरे धीरे चलकर डिस्चार्ज स्पार्क से धातु को काटती है। इसको मुश्किल आकारों, मॉल्ड्स, फिक्चर्स की शुद्ध मशीनिंग के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है। फोर एक्सिस सी एन सी वर्टीकल मशीनिंग सेंटर की विशेषता है कि इसमें सी एन सी प्रोग्रामेबल रोटरी एक्सिस प्रोग्राम का प्रावधान है तथा इसका प्रयोग विभिन्न पिच्ड हेलीकल ग्रूव्स एंड स्पूलर शॉफ्ट को काटने के लिए किया जा सकता है। आर्क/एलीपटीकल प्रोफाइल्स जैसे कार्यों को करने के लिए भी मशीन को प्रयुक्त किया जा सकता है।

श्री एस अनंत नारायण, निदेशक, एन पी ओ एल ने 16 मार्च 2010 को इस सुविधा का उद्घाटन किया तथा कहा कि वर्तमान सुविधा से परियोजनाओं के लिए आवश्यक उत्पादकता एवं मशीनिंग क्षमता में बढ़ोत्तरी होगी। श्री एम अरविंदक्षन, वैज्ञानिक एफ, समूह प्रमुख ने सभी का स्वागत किया तथा श्री पी राजन, प्रभाग प्रमुख ने मशीन की विशेषताओ पर प्रस्तुती दी।

आई एन एस सागरध्वनि से डेबेल, बैंगलूरू तक शिप-टू-शोर टेलीमेडीसिन का परीक्षण

आई एन एस सागरध्वनि से डेबेल, बैंगलूरू तक शिप-टू-शोर टेलीमेडीसिन का परीक्षण।

रक्षा जैव अभियांत्रिकी तथा चिकित्सा-इलैक्ट्रो प्रयोगशाला (डेबेल), बैंगलूरू द्वारा जैव चिकित्सा आंकड़ा अधिग्रहण तथा प्रेषण प्रणाली का विकास किया गया है। इससे दूरदराज क्षेत्रों में कार्यरत सैनिकों की स्वास्थ्य जांच संबंधी आंकड़े अस्पताल तक प्रेषित किए जा सकेंगे। इस प्रणाली का परीक्षण जहाज से डेबेल तक आंकड़े पहचानने हेतु सफलतापूर्वक किया गया। इस प्रणाली द्वारा व्यक्ति के रक्त चाप, श्वास दर, हृदय गति, शारीरिक तापमान, ई सी जी, आदि को मापकर दूर स्थान पर स्थित अस्पताल में भेजा जा सकता है। इस प्रणाली द्वारा घावों के चित्र तथा डॉक्टर की राय भी भेजी जा सकती है। ध्वनि संदेश भेजने में भी यह प्रणाली सक्षम है, जिससे मरीज अपनी समस्य बता सकता है। यह प्रणाली संचार की विभिन्न प्रणालियों, जैसे कि सेटकॉम, वी सैट, इनमार सैट, पी एस टी एन, तथा आई एस डी एन के साथ कार्य करने में सक्षम है। इस प्रणाली में संग्रहित आंकड़ों को सुरक्षित रखने की क्षमता भी है। यह प्रणाली आई ई सी 60601-1-1, JSS-55555, तथा MIL416E मानकों की आवश्यकताएं पूर्ण करती है।

नौसेना द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा की मांग की गई थी, जिसे उपलब्ध कराने हेतु डेबेल द्वारा इमारसैट फ्लीट ब्रॉडबैंड सेलर 500 एंटीना का अभिकल्पन, विकास, एवं स्थापन किया गया है जिससे 3000 के बी पी एस गति से आंकड़े प्रेषित किए जा सकते हैं। इसे आई एन एस सागरध्वनि पर 25 मार्च 2010 को स्थापित किया गया। डेबेल

डेबेल की टीम, आई एन एस सागरध्वनि के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग करते हुए।

डेबेल के निदेशक, आई एन एस सागरध्वनि के कप्तान के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग करते हुए।

की टीम ने इस जहाज पर चेन्नई से कोच्चि (चार दिन की समुद्री यात्रा) तक का सफर तय किया। इस दौरान टीम ने निम्नलिखित प्रदर्शन किए :

- आई एन एस सागरध्वनि तथा डेबेल, बैंगलूरू के मध्य वीडियो कांफ्रेंसिंग।
- जहाज पर उपस्थित सैनिकों का शारीरिक आंकड़ा अधिग्रहण।
- इन आंकड़ों का डेबेल, बैंगलूरू को प्रेषण।

यह परीक्षण सभी आवश्यकताओं पर खतरा उतरा तथा जहाज के कप्तान ने वीडियो तथा ऑडियो गुणवत्ता की सराहना की तथा इस परीक्षण में सक्रिय रूप से भाग लिया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2010

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला, मैसूर

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल), मैसूर द्वारा 26 फरवरी 2010 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। डॉ एच वी बत्रा, वैज्ञानिक जी, एवं सह-निदेशक ने **मॉलीक्यूलर डिटेक्शन ऑफ फूड बोर्न बैक्टीरियल पैथोजीन्स एंड टॉक्सिंस** पर व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में डॉ बत्रा ने डी एफ आर एल में मल्टीप्लैक्स पी सी आर तकनीकें, मोनोक्लेनल एंटीबॉडी तकनीकें, एवं कंस्ट्रक्शन ऑफ सिमेरिकल प्रोटीन्स कम्प्राइजिंग इंटर एंड इंट्रा जीनस फ्यूजन जेन्स ऑफ कॉमन फूड पैथोजीन्स, जैसे बैक्टीरियल पैथोजीन्स एंड टॉक्सिंस की पहचान के लिए विकसित विभिन्न मॉलीक्यूलर संसूचक पद्धतियों की जानकारी दी। आपने खाद्य सुरक्षा एवं जैव सुरक्षा में इन पद्धतियों के अनुप्रयोग पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर, डॉ ए एस बावा, निदेशक, डी एफ आर एल, ने डॉ एच वी बत्रा को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पदक से सम्मानित किया।

डॉ ए एस बावा, निदेशक, डी एफ आर एल, डॉ एच वी बत्रा, वैज्ञानिक जी, को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पदक से सम्मानित करते हुए।

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर

रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर में दिनांक 26 फरवरी 2010 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। श्री एस जी वैजापुरकर, वैज्ञानिक एफ, ने **नाभिकीय आपदा प्रबंधन हेतु उन्नत पहचान तकनीक** विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ एन कुमार, निदेशक, डी एल जे, ने श्री वैजापुरकर को पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित करने वाले वैज्ञानिकों को भी सम्मानित किया गया। विज्ञान प्रश्नोत्तरी के विजेता छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया। श्री रविन्द्र कुमार, वैज्ञानिक एफ, अध्यक्ष, आयोजन समिति ने स्वागत भाषण दिया तथा श्री डी के त्रिपाठी, वैज्ञानिक ई, ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना, बैंगलूरू

गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जी टी आर ई), बैंगलूरू में दिनांक 26 फरवरी 2010 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। श्री जी शिवरामकृष्ण, वैज्ञानिक ई, ने **डिजाइन एनालिसिस एंड सी एफ डी स्टडीज ऑन गैस टरबाइन कम्बूस्टर्स** विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ प्रहलाद, विशिष्ट वैज्ञानिक, मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (प्रणाली समेकन एवं ऐरो) ने यह पुरस्कार प्रदान किया।

महिला दिवस समारोह

रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर

रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर में दिनांक 8 मार्च 2010 को महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती नैना सोन कपिल, संयुक्त आयुक्त, आयकर (अन्वेषण विभाग), मुख्य अतिथि थीं। श्रीमती नैना सोन कपिल ने अपने उद्‌बोधन में **महिला सशक्तीकरण** पर बल दिया। आपने महिला सशक्तीकरण के चार स्तरों पर चर्चा की, वे हैं, व्यक्तिगत स्तर, सामाजिक स्तर, राजनीतिक स्तर, एवं कानूनी स्तर। आपने जीवन की हर परिस्थिति का सामना करने के लिए महिलाओं को अपने निर्णय लेने में सक्षम होने की बात कही।

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला, मैसूर

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल), मैसूर द्वारा 08 मार्च 2010 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। श्रीमती गंगा मूर्ति, आई ई एस, अपर मुख्य अर्थशास्त्र सलाहकार, रेलवे मंत्रालय ने **जेंडर सेंसिटिव बजटिंग** पर वार्ता की। डॉ ए एस बावा, निदेशक, डी एफ आर एल, ने **भारत की प्रगति में महिलाओं की भूमिका** पर प्रकाश डाला। इन्होंने श्रीमती गंगा मूर्ति को स्मृति चिह्न एवं डी एफ आर एल, मैसूर में विकसित संसाधित खाद्य देकर सम्मानित किया।

डॉ ए एस बावा, निदेशक, डी एफ आर एल, श्रीमती गंगा मूर्ति, आई ई एस, को सम्मानित करते हुए।

अनुसंधान केंद्र इमारत, हैदराबाद

अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई), हैदराबाद द्वारा 18 मार्च 2010 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। श्रीमती बी रूकमणी, वैज्ञानिक ई, आर सी आई ने मुख्य अतिथि डॉ श्रीमती जी मुद्रा, प्रमुख मानव संसाधन विकास केन्द्र, एन आई आर डी, हैदराबाद तथा श्री एस के रे, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आर सी आई

का स्वागत किया। श्रीमती आर अंजनी, पी ए सी, आर सी आई ने **आर सी आई में महिलाओं के कार्य करने का वातावरण** नामक विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में वर्तमान समाज में महिलाओं की भूमिका तथा जीवन के सभी क्षेत्रों में भागीदारी पर चर्चा की। श्री एस के रे, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आर सी आई ने समारोह की अध्यक्षता की।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2010

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान तथा विकास केंद्र, बैंगलूरू

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान तथा विकास केंद्र (एम टी आर डी सी), बैंगलूरू द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री ए के अग्रवाल, वैज्ञानिक ई, ने **मल्टीपल बीम क्लाइस्ट्रोंसःरिसेंट ट्रेंड्स, टैक्नोलॉगीस एंड एप्लीकेशंस** नामक विषय पर व्याख्यान दिया।

श्री ए के अग्रवाल, वैज्ञानिक ई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी पदक प्राप्त करते हुए।

वायुवाहित प्रणाली केंद्र, बैंगलूरू

वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बैंगलूरू में दिनांक 11 मई 2010 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुश्री एस अन्नपूर्णा, वैज्ञानिक सी, ने **थर्मल डिजाइन ऑफ एवियोनिक्स इनसाइड द एक्टिव ऐरे एंटीना यूनिट ऑफ ए ई डब्ल्यू सी** नामक विषय पर व्याख्यान दिया।

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली द्वारा दिनांक 11 मई 2010 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुश्री मिशा मेहरा, वैज्ञानिक बी, ने **पुस्तकालय स्वचालन प्रणाली में ऑपन सोर्स सॉफ्टवेयर का प्रयोग** नामक विषय पर व्याख्यान दिया।

इलैक्ट्रोनिक्स तथा रडार विकास स्थापना, बैंगलूरू

इलैक्ट्रोनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई), बैंगलूरू में दिनांक 11 मई 2010 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया गया। श्री जयकुमार वेंकटरमन, वैज्ञानिक एफ ने **डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ लाइट वेट रडार फॉर हाई एल्टीट्यूड माउंटेनियस टेरेन** पर व्याख्यान दिया।

श्री जयकुमार वेंकटरमन, वैज्ञानिक एफ, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी पदक प्राप्त करते हुए।

रक्षा इलैक्ट्रोनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला, देहरादून

रक्षा इलैक्ट्रोनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून में दिनांक 11 मई 2010 को सर जे सी बोस सभागार में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दो तकनीकी व्याख्यानों के अलावा डील द्वारा विकसित उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनी लगाई गई। श्री के एन राव, कार्यकारी निदेशक ने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रोफेसर बी घोष, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी), खड़गपुर तथा श्री अजय मलिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने व्याख्यान दिए। संचार प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में रूचि पैदा करने के लिए प्रदर्शनी को जनता के लिए खोला गया। मानव रहित वायु वाहन के लिए डेटा लिंक के सीधे प्रदर्शन ने बहुत से युवा विद्यार्थियों को प्रभावित किया। लगभग 400 लोगों ने प्रदर्शनी को देखा।

पुरस्कार

प्रोफेसर (श्रीमती) मंजू ठाकुर स्मृति आई एम पी 2010 पुरस्कार

डॉ उपदेश कुमार, वैज्ञानिक एफ, प्रमुख, मानसिक स्वास्थ्य प्रभाग, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डी आई पी आर), दिल्ली ने 18-20 फरवरी 2010 के दौरान आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम में आयोजित भारतीय व्यवहारिक मनोविज्ञान अकादमी के 45वें राष्ट्रीय तथा 14वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक विशेष व्याख्यान दिया। वक्ता द्वारा **सेना में मनोविज्ञान की भूमिका** पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर भारत एवं विदेशों के लगभग 700 प्रतिभागी उपस्थित थे।

इस अवसर पर डॉ उपदेश कुमार को उनके उत्कृष्ट आकदमिक योगदान के लिए *प्रोफेसर (श्रीमती) मंजू ठाकुर स्मृति आई एम पी पुरस्कार 2010* से सम्मानित किया गया। आपने तथा डॉ मानस कुमार मंडल, निदेशक, डी आई पी आर ने मिलकर **सूसाईडल बिहेवियरः असेसमेंट ऑफ पीपल एट रिस्क** नामक विषय पर एक पुस्तक पुस्तक का संपादन किया है, जिसका प्रकाशन सैग पब्लिकेशन (कैलीफोर्निया, लंदन, सिंगापुर, नई दिल्ली) ने किया है। पुस्तक में आत्महत्या जोखिम के क्षेत्रों तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सूसाइडल बिहेवियर पर प्रख्यात विशेषज्ञों द्वारा लिखे गए लेखों को शामिल किया गया है। प्रोफेसर बीला सत्यनारायण, कुलपति, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

सर्वोत्तम शोध-पत्र पुरस्कार

श्री एस जी वैजपुरकर, वैज्ञानिक एफ, को भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बार्क), मुम्बई में 29 वें आई ए आर पी राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वोत्तम शोध-पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मेलन का विषय था **विकिरण संसूचन में अद्यतन उन्नयन**। लेख का विषय था **रेडियोक्रोनिक डिराइवेटिव्स फॉर द न्यूक्लियर एमर्जेंसी**।

आई ई आई युवा अभियंता पुरस्कार

श्री अमित कुमार, वैज्ञानिक सी, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद को 15-16 जनवरी 2010 के दौरान भारतीय अभियंता संस्थान, कोलकाता द्वारा 23वें धातुकर्मीय एवं पदार्थ अभियंता सम्मेलन में धातुकर्मीय एवं पदार्थ अभियंता क्षेत्र में *आई ई आई युवा अभियंता पुरस्कार* से सम्मानित किया गया।

प्रतिष्ठित वार्षिक वैज्ञानिक पुरस्कार

डॉ शिप्रा मिश्रा, वैज्ञानिक एफ, रक्षा शरीरक्रिया एवं सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली को 27-29 दिसम्बर 2009 के दौरान जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी, भारत के राष्ट्रीय सम्मेलन में भूमिगत जल से आर्सेनिक तत्व के निवारण हेतु नवीन प्रौद्योगिकी के विकास एवं कार्यान्वयन के क्षेत्र में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रतिष्ठित वार्षिक वैज्ञानिक पुरस्कार 2009 से सम्मानित किया। आपके द्वारा विकसित घरों में लगाये गये फिल्टर तथा विभिन्न वर्गों के लिए संयंत्र भारत के चार राज्यों (बिहार, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, एवं पश्चिम बंगाल) में आर्सेनिक प्रभावित ग्रामीण वर्गों को लाभ पहुंचा रहे हैं।

डॉ शिप्रा मिश्रा, पुरस्कार प्राप्त करते हुए।

एन एस टी एल, विशाखापत्तनम को आई एस ओ 9001:2008 प्रमाणन प्रमाण-पत्र

19 अप्रैल 2010 को डॉ जे नारायण दास, मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (एन एस, एम तथा एच आर) ने 19 अप्रैल 2010 को डॉ वी भुजंग राव, एफ एन ए ई, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, निदेशक, एन एस टी एल को आई एस ओ प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए।

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम को ब्यूरो वेरीटास सर्टीफिकेशन इंडिया, मुम्बई द्वारा एन एस टी एल के गुणवत्ता अंकेक्षण के सफलतापूर्वक पूरा होने के पश्चात आई एस ओ 9001:2008 प्रमाणन प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। यह प्रमाण-पत्र 30 मार्च 2013 तक मान्य है। डॉ जे नारायण दास, मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (एन एस, एम तथा एच आर) ने 19 अप्रैल 2010 को डॉ वी भुजंग राव, एफ एन ए ई, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, निदेशक, एन एस टी एल को यह प्रमाण-पत्र प्रदान किया। एन एस टी एल में पिछले 10 वर्षों से गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के सफल कार्यान्वयन एवं एन एस टी एल में गुणवत्ता वातावरण बनाने के लिए डॉ दास ने निदेशक, एन एस टी एल तथा श्री ए के तिवारी, वैज्ञानिक एफ, एवं उनकी टीम की प्रशंसा की।

प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं पर विशेषांक

डी आर डी ओ समाचार के माध्यम से जनमानस/सरकारी संस्थानों/वैज्ञानिक संस्थानों/विभिन्न विश्वविद्यालयों को डी आर डी ओ के विषय में अधिक जागरूक करने के संबंध में डी आर डी ओ की सभी प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं पर विशेषांक प्रकाशित करने का प्रस्ताव है। इससे डी आर डी ओ की प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं के बारे में अधिक एवं सही सूचना का प्रसार होगा, जिससे डी आर डी ओ की प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं में हो रहे विभिन्न रक्षा एवं जनोपयोगी अनुसंधानों के विषय में सही परिप्रेक्ष्य में जानकारी उपलब्ध करायी जा सकेगी। इस कड़ी में आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे ; रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर ; रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ; तथा वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (वी आर डी ई), अहमदनगर पर विशेषांक प्रकाशित किये जा चुके हैं।

कृपया विशेषांक हेतु अपनी प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं के विभिन्न गतिविधियों से संबंधित उत्तम चित्र तथा सामग्री यथाशीघ्र भेजें। इसे हम आगामी अंकों में प्रकाशित करने का भरसक प्रयास करेंगे।

डॉ टी एस वसुंधरा स्मृति व्याख्यान

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एफ आर एल), मैसूर द्वारा 19 फरवरी 2010 को 11वें डॉ टी एस वसुंधरा स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। श्रीमती के वी कुमुदवेली, वैज्ञानिक एवं सचिव, सेमीनार क्लब, डी एफ आर एल, ने मुख्य अतिथि तथा उपस्थित लोगों का स्वागत किया। डॉ (श्रीमती) एस जी प्रपुला, वैज्ञानिक आई एफ, सी एफ टी आर आई, समारोह की मुख्य अतिथि थीं। डॉ ए एस बावा, निदेशक, डी एफ आर एल, ने समारोह की अध्यक्षता की। डॉ (श्रीमती) एस जी प्रपुला ने **प्रो एंड प्रीबायोटिक प्रेजेंट स्टेटस एंड फ्यूचर प्रोसपैक्टस** विषय पर व्याख्यान दिया। आपने प्रो एंड प्रीबायोटिक के व्यवहारात्मक पहलुओं की जानकारी दी तथा मानव स्वास्थ्य पर इनकी भूमिका पर बल दिया।

डॉ (श्रीमती) एस जी प्रपुला, व्याख्यान देते हुए।

इस अवसर पर डी आर डी ओ के जीव विज्ञान समूह को सर्वोत्तम वैज्ञानिक शोध आलेख के लिए डॉ टी एस वसुंधरा स्मृति व्याख्यान पुरस्कार प्रदान किया गया। इस वर्ष यह पुरस्कार श्री आलोक सक्सेना, डॉ ए एस बावा तथा श्री पी एस राजू द्वारा लिखित एवं फूड केमिस्ट्री, 115 (2009), 1443-1449 में प्रकाशित **फिटोकेमिकल चेंजिज इन फ्रेश कट जैकफ्रूट बल्ब्स डयूरिंग मॉडिफाइड एटमोस्फेयर स्टोरेज** नामक आलेख को प्रदान किया गया। श्री पी के नागराजू, संयुक्त सचिव, सेमिनार क्लब ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

पेटेंट

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला, हैदराबाद

भारतीय पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद के नाम **ए प्रोसेस फॉर वेल्डिंग सुपर डुप्लेक्स स्टेनलेस स्टील** (पेटेंट संख्या 238606) नामक पेटेंट अनुमोदित किया गया है। डॉ आई गुरूप्पा एवं डॉ टी मोहनदास इसके अन्वेषक हैं।

भारतीय पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद के नाम **ए प्रोसेस फॉर प्रीप्रेशन ऑफ द एलुमीनियम जिंक मैग्नेशियम मेंगनीज जिरकोनियम स्केंडियम एलॉय** (पेटेंट संख्या 238791) नामक पेटेंट अनुमोदित किया गया है। डॉ ए के मुखोपाध्याय, डॉ विकास कुमार एवं डॉ एस वी कामत इसके अन्वेषक हैं।

ठोसावस्था भौतिक प्रयोगशाला, दिल्ली

भारतीय पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा ठोसावस्था भौतिक प्रयोगशाला (एस एस पी एल), दिल्ली के नाम **ए प्रोसेस ऑफ पेसिवेशन ऑफ मरकरी कैडमियम टेलूराइड** (पेटेंट संख्या 237224) नामक पेटेंट अनुमोदित किया गया है। श्री रविन्द्र पाल, श्री प्रताप कुमार चौधरी, श्री बलदेव राज अनेजा, श्री विष्णु गोपाल एवं श्री विक्रम कुमार इसके अन्वेषक हैं।

भारतीय पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा ठोसावस्था भौतिक प्रयोगशाला (एस एस पी एल), दिल्ली के नाम **ए प्रोसेस फॉर द प्रीप्रेशन ऑफ बेरियम जिरकोनेट टाइटेनेट सिरामिक** (पेटेंट संख्या 238606) नामक पेटेंट अनुमोदित किया गया है। डॉ आई गुरूप्पा एवं डॉ टी मोहनदास इसके अन्वेषक हैं।

मानव संसाधन विकास गतिविधियां

पाठ्यक्रम/सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी

प्रमाण तथा प्रायोगिकी स्थापना, चांदीपुर

प्रमाण तथा प्रायोगिकी स्थापना (पी एक्स ई), चांदीपुर द्वारा 5-9 अप्रैल 2010 के दौरान **डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली, ओरेकल एस ओ एल, पी एल/एस क्यू एल तथा इसके अनुप्रयोग** विषय पर पाठ्यक्रम का आयोजन किया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य ओरेकल एस ओ एल, पी एल/एस क्यू एल का प्रयोग करके डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली पर प्रशिक्षण देना था। डी आर डी ओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं से सत्ताईस प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। श्री वी अंगुस्वामी, वैज्ञानिक एफ, सह-निदेशक, पी एक्स ई, ने मुख्य अतिथि के रूप में पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि, मेजर जनरल पी माथुर, निदेशक, पी एक्स ई, ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। श्री पी बी समल, तकनीकी अधिकारी सी, पाठ्यक्रम निदेशक थे।

अनुसंधान केंद्र इमारत, हैदराबाद

अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई), हैदराबाद द्वारा 22-26 मार्च 2010 के दौरान **बैस्ट प्रैक्टीसिज इन सिस्टम इंटीग्रेशन** विषय पर पाठ्यक्रम का आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम को सेपटेम ने प्रायोजित किया। श्री एस के रे, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आर सी आई तथा कार्यक्रम निदेशक, एम आर एस ए एम, ने उद्घाटन उद्बोधन दिया। डी आर डी ओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं के डी आर टी सी तकनीकी अधिकारियों के लिए इस पाठ्यक्रम का अभिकल्पन किया गया। चार डी आर डी एस अधिकारियों सहित डी आर डी ओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं से पैंतालीस प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया।

सेपटेम, दिल्ली के अध्यक्ष, श्री एस सी नारंग, समापन सम्बोधन देते हुए।

कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केन्द्र (सेपटेम), दिल्ली के अध्यक्ष, श्री एस सी नारंग ने समापन सम्बोधन दिया तथा **सेपटेम प्रशिक्षण नीति** पर प्रस्तुती दी। श्री आर दास, वैज्ञानिक जी, आर एफ प्रणाली ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। श्री एम शंकर किशोर, पाठ्यक्रम निदेशक, ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला, चंडीगढ़

चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टी बी आर एल), चंडीगढ़ द्वारा मार्च 2010 में **राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह शिविर** का आयोजन किया गया। इस शिविर में अन्य गणमान्य व्यक्तियों, जैसे डॉ एस के सलवान, पूर्व कुलपति, पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय, जालंधर एवं डॉ आर के शर्मा, वैज्ञानिक एफ, संयुक्त निदेशक, इनमास, दिल्ली सहित टी बी आर एल के सभी सदस्यों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह शिविर का उद्घाटत सत्र।

इस वर्ष इस शिविर का विषय है आपदा प्रबंधन। शिविर के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया :

- सुरक्षा दीप का प्रज्ज्वलन।
- निदेशक द्वारा सुरक्षा शपथ।
- गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रस्तुत सुरक्षा व्याख्यान
  - मुख्य अतिथि, डॉ एस के सलवान द्वारा **प्रकृति एवं प्रौद्योगिकी।**
  - डॉ सतीश कुमार, निदेशक, टी बी आर एल द्वारा **व्यवहार-आधारित सुरक्षा।**
  - डॉ आर के शर्मा, वैज्ञानिक एफ, संयुक्त निदेशक, इनमास, दिल्ली द्वारा **आपदा प्रबंधन प्रणाली।**
- सुरक्षा प्रदर्शनी

  मुख्य अतिथि, डॉ एस के सलवान ने सुरक्षा प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कुल 6 विक्रेताओं ने स्टॉल लगाये और सुरक्षा उत्पादों का प्रदर्शन किया।

- सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता
- अग्नि–2009 पर स्थायी आदेश प्रलेख का विमोचन

  –अग्नि–2009 पर स्थायी आदेश, टी बी आर एल की अग्नि नियमावली है, जिसमें अग्नि रोकथाम मापक, मार्गनिर्देश, आपातकालीन परिस्थितियों में व्यक्तियों की जिम्मेदारी की सूचनाएं।
- सर्वोत्तम सुरक्षा कार्यनिष्पादन समूह पुरस्कार
  - **क्षेत्र IV शेप्ड चार्ज्ड एवं नौसेना युद्धशीर्ष प्रणाली** को सर्वोत्तम सुरक्षा कार्यनिष्पादन समूह पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- राष्ट्रगान के साथ इस शिविर का समापन किया गया।

एकीकृत परीक्षण परिसर, चांदीपुर

एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर द्वारा 30 मार्च 2010 को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्री एस पी दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आई टी आर द्वारा सभी कार्मिकों को सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण की शपथ दिलाई गई। सुरक्षा जागरूकता के उद्देश्य से एक सुरक्षा प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

टी बी आर एल में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह शिविर के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियां।

वर्ष 2009-10 के लिए संचार निदेशालय को वार्षिक सुरक्षा रोलिंग ट्रॉफी प्रदान की गई। इस पर श्री एस पी दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आई टी आर ने परिसर में सुरक्षा प्रणालियों में बढ़ोत्तरी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। श्री ए अप्पावूराज, अपर निदेशक एवं परिसर सुरक्षा अधिकारी तथा श्री आर के बहेरा, अध्यक्ष, सुरक्षा समिति ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया तथा बताया कि परिसर में 01 जनवरी 1988 से आरंभ किए गए मिशन के पश्चात् आज तक कोई भी दुर्घटना नहीं हुई। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद से प्राप्त सुरक्षा संबंधित सामग्री को सभी कर्मियों को वितरित किया गया।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का दृश्य।

एन पी ओ एल, कोच्चि की तकनीकी प्रदर्शनी ब्रहम 2010 में भागीदारी

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि ने 18 फरवरी 2010 को तकनीकी प्रदर्शनी में भाग लिया। इसका आयोजन आदि शंकराचार्य अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, कालाडी, केरल, में राष्ट्रीय स्तर के तकनीकी संस्कृति त्यौहार के एक भाग के रूप में किया गया। प्रदर्शनी में छात्रों में डी आर डी ओ की छवि बनाने तथा जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एन पी ओ एल ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए।

श्री ए अजीत कुमार, वैज्ञानिक, एन पी ओ एल के उत्पादों के बारे में विद्यार्थियों को बताते हुए।

एन पी ओ एल, कोच्चि की रक्षा प्रदर्शनी 2010 में भागीदारी

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि ने 15-18 फरवरी 2010 के दौरान नई दिल्ली में छठी लैंड एवं नौसेना प्रणाली रक्षा प्रदर्शनी 2010 में भाग लिया। प्रदर्शनी में एन पी ओ एल ने अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ हल-माउंटिड सोनार एवं तीसरी पीढ़ी के अंतर्जलीय बेतार श्रृव्य संचार प्रणाली (3जी यू डब्ल्यू ए सी एस) इत्यादि प्रदर्शित किए।

श्री इजय राज सिंह, सांसद, संसदीय स्थायी समिति को एन पी ओ एल के उत्पादों के बारे में बताते हुए श्री एस अनंत नारायण, निदेशक।

कार्मिक समाचार

प्रोन्नति

श्री एम वेंकटेश्वर राव, वैज्ञानिक जी, कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बैंगलूरू में प्रौद्योगिकी विकास प्रभाग में भूविज्ञान सूचना प्रणाली समूह प्रमुख हैं। आपको 01 जुलाई 2009 से प्रभावी नियुक्ति में वैज्ञानिक जी नियुक्त किया गया है। आपने आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम से 1977 में विज्ञान स्नातकोत्तर (प्रौद्योगिकी) एप्लाइड फिजिक्स (इलैक्ट्रोनिक्स) तथा 1986 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी) बम्बई, मुम्बई से कम्प्यूटर साइंस में प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। वर्तमान में आप सैन्य अनुप्रयोगों हेतु स्वदेशी जी आई एस तथा जनरिक आई पी-आधारित नेटवर्कों के लिए स्वदेशी नेटवर्क प्रबंधन प्रणाली के विकास का कार्य कर रहे हैं।

आप 15 जुलाई 1978 को वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक के रूप में रक्षा इलैक्ट्रोनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून में शामिल हुए। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन होने के पश्चात आप 31 अगस्त 1981 को वैज्ञानिक बी के रूप में इलैक्ट्रोनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई), बैंगलूरू में शामिल हुए। आप डिजिटल संचार प्रणालियों के विकास, गोपनीय उपकरणों एवं कमांड तथा नियंत्रण प्रणालियों के विकास में कार्य कर रहे हैं। नवम्बर 2002 से संवाहक परियाजना में आप केयर में परियोजना प्रबंधक (हार्डवेयर एंड शैल्ट्राइजेशन) के रूप में कार्य कर रहे थे, बाद में परियोजना समन्वयक (हार्डवेयर एंड कम्यूनिकेशन) के रूप में कार्य कर रहे थे। आपने विस्तृत उपयोक्ता मूल्यांकन परीक्षण, क्षेत्रीय एवं सैन्य अभ्यासों में भाग लिया। आपने पिनाका एम बी आर एल एस को परियोजना शक्ति में सॉफ्टवेयर समेकन का समन्वय किया तथा बैटरी कमांड पोस्ट तथा पिनाका रॉकेट लांचरों के लिए आंकड़े संचार समाधान उपलब्ध कराये। आपने उत्पादन परीक्षण, उपयोक्ता मूल्यांकन एवं परीक्षण में भाग लिया।

इससे पहले आप सब्सक्राइबर एंड सिक्रेसी डिवाइस एवं इसके विभिन्न रूपों के विकास में कार्य कर रहे थे, जिन्हें रक्षा बलों तथा सरकारी उपयोक्ताओं (गैर रक्षा बल) द्वारा प्रयोग किया जाता है। आपने तीनों सेनाओं तथा अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ उपकरणों के विस्तृत क्षेत्रीय परीक्षणों में भाग लिया। इन उपकरणों का उत्पादन भारत इलैक्ट्रॉनिक्स, पंचकूला द्वारा किया गया तथा तीनों सेनाओं के अलावा बहुत-सी सरकारी एजेंसियों में प्रयोग किया जा रहा है। गैर रक्षा अनुप्रयोगों के लिए सैक्टेल के विकास के लिए आपको 1998 में डी आर डी ओ नकद पुरस्कार प्राप्त हुआ।

संवाहक एवं शक्ति सहित भारतीय थल सेना की दुष्कर कमांड, नियंत्रण, संचार, सूचना प्रणालियों तथा सैक्टेल एवं इसके विभिन्न रूप के विकास में आपके योगदान के लिए आपको **प्रयोगशाला का वर्ष का वैज्ञानिक पुरस्कार-2008** प्राप्त है। आपको **डी आर डी ओ सर्वोत्तम कार्यनिष्पादन पुरस्कार-2009** भी प्राप्त है। वर्तमान में आप अपर निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे हैं तथा नेटवर्क एवं टेलीकम्यूनिकेशन सेवाओं के समूह प्रमुख भी हैं। आप इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स, बैंगलूरू तथा भारतीय कम्प्यूटर समिति, मुम्बई के आजीवन सदस्य हैं।

उच्च अर्हता प्राप्ति

डॉ नीलम वेंकट रामा राव, वैज्ञानिक सी, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद को **स्ट्रक्चरल, मैग्नेटिक, मैग्नेटोस्ट्रक्चरल ट्रांसफोर्मेशन एंड मैग्नेटोकोलैरिक स्टडीज इन एन आई बेस्ड ह्यूस्लर एलोय्ज** पर किए गए शोध-कार्य के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी) बम्बई, मुम्बई द्वारा पी एच डी की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

खेल समाचार

सतीश धवन अंतरिक्ष कप

सतीश धवन अंतरिक्ष कप एक द्विवार्षिक क्रिकेट प्रतियोगिता है जो भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के मार्गदर्शक डॉ सतीश धवन की याद में खेला जाता है। केन्द्र सरकार के विभिन्न संगठनों से बारह टीमों ने इसमें हिस्सा लिया। समारोह का शुभारम्भ 27 फरवरी 2010 को हुआ। उद्घाटन अवसर पर डॉ राधाकृष्णन, भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के प्रख्यात व्यक्ति तथा हैदराबाद के कलात्मक बल्लेबाज वी वी एस लक्ष्मण भी उपस्थित थे। प्रतियोगिता में डी आर डी ओ की चार टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण एवं उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (ए एस एल), हैदराबाद के बीच खेला गया जिसे ए एस एल ने आसानी से जीत लिया। ए एस एल के बसंत कुमार मैच के सर्वोत्तम खिलाडी जबकि ए एस एल के कानन को प्रतियोगिता का सर्वोत्तम बल्लेबाज घोषित किया गया। प्रतियोगिता जीतने पर श्री अविनाश चन्दर, निदेशक, ए एस एल ने टीम को बधाई दी। इस अवसर पर श्रीमती रोहिणी देवी, सह निदेशक, भी उपस्थित थीं।

डी आर डी ओ उत्तर क्षेत्र बास्केटबॉल प्रतियोगिता

रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर में दिनांक 03-04 मार्च 2010 के दौरान डी आर डी ओ उत्तर क्षेत्र बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून; डी एल, जोधपुर ; एवं चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टी बी आर एल), चंडीगढ़ की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में डी एल, जोधपुर की टीम विजेता रही, जबकि टी बी आर एल, चंडीगढ़ की टीम उप-विजेता रही।

डॉ एन कुमार, निदेशक, डी एल, से शील्ड प्राप्त करती हुई विजेता टीम।

डी आर डी ओ साइकिल रैली

संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (सी वी आर डी ई), चेन्नई में दिनांक 05-09 मार्च 2010 के दौरान डी आर डी ओ मध्य क्षेत्र क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डी आर डी ओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं से बीस प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। रैली को श्री जी इलांगोवन, विशिष्ट वैज्ञानिक, मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (संसाधन एवं प्रबंधन), उप संरक्षक, डी आर डी ओ खेल बोर्ड ; श्री आर शंकर, निदेशक, संग्राम वाहन एवं अभियांत्रिकी, अध्यक्ष, डी आर डी ओ खेल बोर्ड, नई दिल्ली ; श्री के कृष्णमूर्ति, अपर निदेशक, आई एफ सी एस, सी वी आर डी ई ; श्री सैयद साबिर पाशा, पूर्व भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फुटबाल खिलाड़ी, ने झंडी दिखाकर रवाना किया।

साइकिल रैली का दृश्य।

ISSN 0971-4405

डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं में पधारे अतिथिगण

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली

28 अप्रैल 2010 : डॉ के डी नायक, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (एम ई डी एवं एम आई एस टी), डी आर डी ओ मुख्यालय, दिल्ली।

डॉ के डी नायक को डेसीडॉक की गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए डॉ अ ल मूर्ति, निदेशक, डेसीडॉक।

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बैंगलूरू

29 जनवरी 2010 : ब्रिगेडियर ए एस नागरा, सी एल ई, ई एम ई।

ब्रिगेडियर ए एस नागरा, फिनसास टीम का प्रदर्शन देखते हुए।

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे

17 अप्रैल 2010 : श्री एस सुंदरेश, विशिष्ट वैज्ञानिक, मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (ए सी ई), डी आर डी ओ मुख्यालय, दिल्ली।

श्री एस सुंदरेश, विशिष्ट वैज्ञानिक, मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (ए सी ई), डॉ ए शुभनंदा राव, निदेशक, एच ई एम आर एल से स्मृति चिह्न प्राप्त करते हुए।

01 अप्रैल 2010 : प्रोफेसर एल एम पटनायक, कुलपति, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डी आई ए टी), पुणे।

प्रोफेसर एल एम पटनायक, कुलपति, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डी आई ए टी), एच एम एक्स पायलट प्लांट कंट्रोल में गहरी रूचि दिखाते हुए।

मुख्य सम्पादक	सह मुख्य सम्पादक	सम्पादक	सम्पादकीय सहायक	मुद्रण	विपणन
डॉ अ ल मूर्ति	शशी त्यागी	फूलदीप कुमार	अशोक कुमार	एस के गुप्ता हंस कुमार	आर पी सिंह

डॉ अ ल मूर्ति, निदेशक, डेसीडॉक द्वारा डी आर डी ओ की ओर से मुद्रित एवं प्रकाशित

प्रकाशक : डेसीडॉक, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली.110054 ; दूरभाष : 011-23812252 ; फैक्स : 011-23902500 ; ई-मेल : director@desidoc.drdo.in